राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020
एम.ए. (हिंदी) प्रथम वर्ष

Annexure-13

सेमेस्टर–II

No.	Paper Type	Paper Name	Page No.
1	**DSC4**	1.. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	2-3
2	**DSC5**	2.. हिंदी कविता (आधुनिक काल)	4-5
3	**DSC6**	3. हिंदी कथा साहित्य	6-7
4	**Pool of DSE (Any Two)**	1. भक्तिकालीन हिंदी काव्य	8-9
		2. आधुनिक हिंदी साहित्य चिंतन	10-11
		3. जनसंचार माध्यमों का विकास	12-13
		4. रंगमंच : पाठ और प्रदर्शन	14-15
		5. समाज भाषाविज्ञान	16-17
		6. अस्मितामूलक चिंतन और हिंदी साहित्य	18-19
		7. लोक साहित्य	20-21
		8. साहित्य का इतिहास दर्शन और सिद्धांत	22-23
5			

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020

एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सेमेस्टर–II – DSC4

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Course Title & Code	Credits	Credit distriubion of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and Reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC4 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	3	1	---	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।
2. आधुनिक इतिहास लेखन एवं प्रमुख इतिहास ग्रंथों से परिचय कराना।
3. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रात कर सकेंगे।
2. आधुनिक इतिहास लेखन एवं प्रमुख इतिहास ग्रंथों से परिचित होंगे।
3. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

इकाई–1 : पृष्ठभूमि (9 घंटे)

- आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक
  (1857 के स्वाधीनता संग्राम से 1947 तक का राजनीतिक इतिहास, नवजागरण)

इकाई–2 : कालखंड एवं प्रवृत्तियाँ (12 घंटे)

- भारतेंदु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
- द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तिया
- छायावाद : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तिया

इकाई–3 : कालखंड एवं प्रवृत्तियाँ (12 घंटे)

- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता और समकालीन कविता

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई–4 : विभिन्न विधाएँ (12 घंटे)

- निबंध, आलोचना, नाटक : उद्‌भव और विकास
- उपन्यास, कहानी, पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास
2. नगेंद्र (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास
3. सिंह, बच्चन; आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
4. सिंह, नामवर; आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; हिंदी साहित्य और संवेदना विकास
6. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; हिंदी काव्य का इतिहास
7. पांडेय, मैनेजर; साहित्य और इतिहास दृष्टि
8. तिवारी, रामचंद्र; हिंदी का गद्य साहित्य
9. सिंह, सुधा; हिंदी साहित्य का वैकल्पिक इतिहास (तीन खंड), हंस प्रकाशन, दिल्ली।

हिन्दी - विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020

एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सेमेस्टर–II – DSC5

हिंदी कविता (आधुनिक काल)

Course Title & Code	Credits	Credit distriubion of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and Reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC5 हिंदी कविता (आधुनिक काल)	4	3	1	---	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की कविताओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।
2. आधुनिक काल के विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं की विशिष्ट जानकारी देना।
3. आधुनिक हिंदी कविता की विभिन्न प्रवृत्तियों से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की कविताओं का विश्लेषणात्थमक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. आधुनिक काल के विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं की विशिष्ट जानकारी होगी।
3. आधुनिक हिंदी कविता की विभिन्न प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

इकाई–1 (9 घंटे)

- साकेत (नवम् सर्ग) : मैथिलीशरण गुप्त

इकाई–2 (12 घंटे)

- कामायनी (चिंता, श्रद्धा और इड़ा सर्ग) : जयशंकर प्रसाद

इकाई–3 (12 घंटे)

- राम की शक्तिपूजा : रामविलास शर्मा

इकाई–4 (12 घंटे)

- अँधेरे में (चाँद का मुँह टेढा है) : मुक्तिबोध

हिन्दी - विभाग
हिन्दी विश्वविद्यालय

सहायक ग्रंथ :

1. नगेंद्र, साकेत : एक अध्ययन
2. पालीवाल, कृष्णदत्त; मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंतःसूत्र
3. सिंह, नामवर; छायावाद
4. वाजपेयी, नंददुलारे; जयशंकर प्रसाद
5. मुक्तिबोध, कामायनी : एक पुनर्विचार
6. नगेंद्र; कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ
7. शर्मा, रामविलास; निराला की साहित्य साधना (भाग–2)
8. वाजपेयी, नंददुलारे; कवि निराला
9. चतुर्वेदी, जगदीश्वर; शीतयुद्ध, साहित्य और मुक्तिबोध
10. सिंह, दूधनाथ; निराला : आत्महंता आस्था
11. नवल, नंदकिशोर; हिंदी आलोचना का विकास

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020
एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर–II – DSC6
हिंदी कथा साहित्य

Course Title & Code	Credits	Credit distriubion of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and Reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC6 हिंदी कथा साहित्य	4	3	1	---	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को हिंदी कथा साहित्य के उद्भव एवं विकास से परिचित कराना।
2. हिंदी कहानी एवं उपन्यास के विभिन्न आंदोलनों की समझ विकसित कराना ।
3. विभिन्न दौर की प्रमुख हिंदी कहानियों एवं उपन्यासों का विश्लेषणात्मक अध्ययन कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थी हिंदी कथा साहित्य के उद्भव एवं विकास से परिचित होंगे।
2. हिंदी कहानी एवं उपन्यास के विभिन्न आंदोलनों की समझ विकसित होगी।
3. विभिन्न दौर की प्रमुख हिंदी कहानियों एवं उपन्यासों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करेंगे।

इकाई–1 : हिंदी कहानी एवं उपन्यास (9 घंटे)

- हिंदी उपन्यास : उद्भव, विकास, लेखन की विविध धाराएँ
- हिंदी कहानी : उद्भव और विकास, लेखन की विविध धाराएँ

इकाई–2 : चयनित हिंदी कहानियां (12 घंटे)

- कफन – प्रेमचंद
- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- राब की मटकी – होमवती देवी
- हीलीबोन की बतखें – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- पाजेब – जैनेंद्र कुमार
- कस्बे का आदमी – कमलेश्वर

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई–3 : चयनित हिंदी कहानियाँ (12 घंटे)

- परिंदे – निर्मल वर्मा
- जहां लक्ष्मी कैद है – राजेंद्र यादव
- यही सच है – मन्नू भंडारी
- कोशी का घटवार – शेखर जोशी
- बादलों के घेरे – कृष्णा सोबती
- पिता – ज्ञानरंजन

इकाई–4 : चयनित हिंदी उपन्यास (12 घंटे)

- गोदान – प्रेमचंद
- मैला आँचल – फणीश्वरनाथ 'रेणु'

सहायक ग्रंथ :

1. मधुरेश; कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
2. सिंह, नामवर; कहानी : नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
3. राय, गोपाल; हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. यादव, राजेंद्र; कहानी : स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. अवस्थी, देवीशंकर; नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. सिंह, विजयमोहन; आज की कहानी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. मिश्र, रामदरस; हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. फॉक्स, रेल्फ; उपन्यास और लोक जीवन, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
9. शर्मा, राम विलास; प्रेमचंद और उनका युग; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020

एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सेमेस्टर–II - Pool of DSE

भक्तिकालीन हिंदी काव्य

Course Title & Code	Credits	Credit distriubion of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and Reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Poof of DSE भक्तिकालीन हिंदी काव्य	4	3	1	---	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को भक्तिकाल का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।
2. भक्तिकाल के विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं से परिचित कराना।
3. भक्ति साहित्य के माध्यम से भक्ति आंदोलन की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थियों में भक्तिकाल की आलोचनात्मक समझ पैदा होगी।
2. भक्तिकाल के विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं से परिचित होंगे।
3. भक्ति साहित्य के माध्यम से भक्ति आंदोलन को समझने में सहयोग होगा।

इकाई–1 : (12 घंटे)

- अयोध्याकांड (छंद संख्या 1 से 50 तक) : तुलसीदास (गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित)

इकाई–2 : (12 घंटे)

- सूरसागर (विनय और भक्ति के पद, छंद संख्या 1 से 30 तक) : सूरदास

इकाई–3 (9 घंटे)

- मीरा के पद – मीरा (मीरांबाई की पदावली : परशुराम चतुर्वेदी : संपादक)

  प्रथम खंड : पद संख्या 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 11, 14, 16, 17, 19, 20, 22, 23, 36, 39, 71, 72, 73, 76, 81, 82, 90, 91, 93, 99, 100, 101 और 102 (कुल 30)

इकाई–4 (12 घंटे)

- रहीम – रहीम दोहावली
  (दोहा संख्या 1 से 50) रहीम ग्रंथावली, विद्यानिवास मिश्र (संपादक); वाणी प्रकाशन, दिल्ली

सहायक ग्रंथ :

1. तिवारी, रामजी; गोस्वामी तुलसीदास
2. मिश्र, रामनरेश; तुलसी नए संदर्भ में
3. शुक्ल, रामचंद्र; गोस्वामी तुलसीदास
4. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद; गोसाई तुलसीदास
5. पाडेय, मैनेजर; भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य
6. वंशी, बलदेव (संपादक); महाकवि सूरदास
7. तिवारी, भगवानदास; मीरा का काव्य
8. शर्मा, हरबंसलाल (संपादक); सूरदास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. स्नातक, विजयेंद्र; रहीम
10. सेठी, हरीश कुमार; अबदुर्रहीम खानखाना

हिन्दी - विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020
एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर–II - Pool of DSE

आधुनिक हिंदी साहित्य चिंतन

Course Title & Code	Credits	Credit distriubion of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and Reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Poof of DSE आधुनिक हिंदी साहित्य चिंतन	4	3	1	---	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के आधुनिक इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।
2. विभिन्न आधुनिक हिंदी रचनाकारों–चिंतकों के विचारों से अवगत कराना।
3. आधुनिक हिंदी साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के आधुनिक इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान होगा।
2. विभिन्न आधुनिक हिंदी रचनाकारों–चिंतकों के विचारों से अवगत होंगे।
3. आधुनिक हिंदी साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियों का अध्ययन करेंगे।

इकाई–1 : आधुनिक काल की पृष्ठभूमि (12 घंटे)

- औपनिवेशिक दौर और हिंदी भाषा जनक्षेत्र
- फोर्ट विलियम कॉलेज
- नागरी लिपि और हिंदी आंदोलन
- हिंदी खड़ी बोली की कविता का विकास

इकाई–2 : आधुनिक काल : विभिन्न प्रवृत्तियाँ (12 घंटे)

- भारतेंदु युग : पुराने और नए भावबोध का द्वंद्व
- द्विवेदी युग : 'सरस्वती' और साहित्य का ज्ञानकांड, सुधारवाद, राष्ट्रवाद और प्राच्यवाद का प्रभाव
- छायावाद : स्वच्छंदता और यथार्थ का द्वंद्व
- प्रेमचंद युग : आदर्शवाद और यथार्थवाद का द्वंद्व

इकाई–3 : आधुनिक काल : विभिन्न प्रवृत्तियां एवं पाठपरक अध्ययन (9 घंटे)

- प्रगतिशील आंदोलन
- प्रगतिवादी कविता
- नई कविता में व्यक्ति स्वातंत्र्य और प्रगति का द्वंद्व
- **पाठपरक अध्ययन** – एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध

इकाई–4 : आधुनिक काल : विभिन्न प्रवृत्तियाँ एवं पाठपरक अध्ययन (12 घंटे)

- नई कविता पर 'नई समीक्षा' और मार्क्सवाद का प्रभाव
- नई कविता का मूल्यांकन
- **पाठपरक अध्ययन** – कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह

सहायक ग्रंथ :

1. तलवार, वीरभारत; रस्साकशी
2. शर्मा, रामविलास; महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण
3. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु और उनका युग
4. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा
5. नगेंद्र; भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास
6. सिंह, सुधा; आधुनिक साहित्य और रामविलास शर्मा
7. गोयनका, कमल किशोर; प्रेमचंद अध्ययन की दिशाएं

हिन्दी - विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020

एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सेमेस्टर–II - Pool of DSE

जनसंचार माध्यमों का विकास

Course Title & Code	Credits	Credit distriubion of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and Reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Poof of DSE जनसंचार माध्यमों का विकास	4	3	1	---	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को हिंदी पत्रकारिता के इतिहास से परिचित कराना।
2. मीडिया तकनीक और सामाजिक इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।
3. हिंदी मीडिया की सरंचना एवं उसके विभिन्न उपांगों की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थियों को हिंदी पत्रकारिता के इतिहास से परिचित कराना।
2. मीडिया तकनीक और सामाजिक इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।
3. हिंदी मीडिया की संरचना एवं उसके विभिन्न उपांगों की समझ विकसित करना।

इकाई–1

(12 घंटे)

- मीडिया तकनीक और समाज का अंतर्संबंध
- भारत में फिल्म, रेडियो और टेलीविजन के विकास का सामान्य परिचय
- जनसंचार की अवधारणाएँ : मैकलुहान, रेमंड विलियम्स, एस. हॉल और पी.सी. जोशी

इकाई–2

(12 घंटे)

- आजादी से पहले की हिंदी पत्रकारिता : उद्भव एवं विकास

इकाई–3

(12 घंटे)

- आजादी के बाद की हिंदी पत्रकारिता और उसकी समस्याएँ

इकाई–4

(9 घंटे)

- संचार क्रांति के बाद की हिंदी पत्रकारिता और उसकी चुनौतियां

सहायक ग्रंथ :

1. विलियम्स, रेमंड; संचार माध्यमों का वर्ग–चरित्र
2. वुड, मैक्चेस्नी (संपादक); पूंजीवाद और सूचना युग
3. जोशी, पी.सी.; संस्कृति विकास और संचार क्रांति
4. मिश्र, कृष्णबिहारी मिश्र; हिंदी पत्रकारिता
5. रॉबिन्स; जेफ्री; भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास
6. चतुर्वेदी, जगदीश्वर; हिंदी पत्रकारिता के इतिहास के मूल्यांकन की समस्याएं
7. वाजपेयी, अंबिका प्रसाद; हिंदी समाचार पत्रों का इतिहास

हिन्दी - विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020
एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)
सेमेस्टर–II - Pool of DSE
रंगमंच : पाठ और प्रदर्शन

Course Title & Code	Credits	Credit distriubion of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and Reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Poof of DSE रंगमंच : पाठ और प्रदर्शन	4	3	1	---	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को भारतीय, पाश्चात्य और लोक रंगमंच का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।
2. विभिन्न नाटककारों और निर्देशकों के विचार और रंगकर्म की विशिष्ट जानकारी देना।
3. रंग–प्रक्रिया के विभिन्न चरणों एवं घटकों से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थी भारतीय, पाश्चात्य और लोक रंगमंच का विश्लेषणात्मक ज्ञान से परिचित होंगे।
2. विभिन्न नाटककारों और निर्देशकों के विचार और रंगकर्म की विशिष्टता प्राप्त होगी।
3. रंग–प्रक्रिया के विभिन्न चरणों एवं घटकों से अवगत होंगे।

इकाई–1 (12 घंटे)

- प्रस्तुति प्रक्रिया का अध्ययन, प्रस्तुति आलेख और मूल पाठ में अंतर

इकाई–2 (12 घंटे)

- नाटक की व्याख्या, नाट्य प्रदर्शन के स्वरूप और प्रदर्शन शैली का निर्धारण

इकाई–3 (9 घंटे)

- निर्देशन, अभिनय, पार्श्वकर्म और रंगसंगीत

इकाई–4 (12 घंटे)

- पाठ और प्रदर्शन की दृष्टि से 'मेघदूतम्' का विशेष अध्ययन

हिन्दी - विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

सहायक ग्रंथ :

1. रंगमंच, बलवंत गार्गी
2. हिंदी रंगमंच और पंडित नारायण प्रसाद 'बेताब', विद्यावती लक्ष्मण राव
3. रंगकर्म, वीरेंद्र नारायण
4. नाट्य प्रस्तुति, राजहंस
5. रंग–स्थापत्य कुछ टिप्पणियां, एच.वी. शर्मा
6. पारसी थिएटर : उद्भव और विकास, सोमनाथ गुप्त
7. रंगमंच, बलवंत गार्गी
8. रंगदर्शन, नेमिचंद्र जैन
9. रंगमंच : देखना और सुनना, लक्ष्मीनारायण लाल
10. What is Theatre?, Eric Bentley

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020

एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सेमेस्टर–II - Pool of DSE

समाज भाषा विज्ञान

Course Title & Code	Credits	Credit distriubion of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and Reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Poof of DSE समाज भाषा विज्ञान	4	3	1	---	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को समाज भाषाविज्ञान का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।
2. समाज में भाषा और भाषाई उपांगों की समझ विकसित कराना।
3. भाषा के मानकीकरण, आधुनिकीकरण और यांत्रिकीकरण से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थी समाज भाषाविज्ञान का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. समाज में भाषा और भाषई उपांगों की समझ विकसित होगी।
3. भाषा के मानकीकरण, आधुनिकीकरण और यांत्रिकीकरण से परिचित होंगे।

इकाई–1 : समाज–भाषाविज्ञान का स्वरूप (12 घंटे)

- समाज भाषाविज्ञान : विभिन्न परिभाषाएँ, अर्थ और स्वरूप
- भाषा और समाज
- हिंदी भाषायी समाज का स्वरूप और क्षेत्र
- सामाजिक संदर्भ, जातीय गठन और भाषा–वैविध्य

इकाई–2 : भाषा और संपर्क (12 घंटे)

- द्विभाषिकता और बहुभाषिकता
- कोड–मिश्रण और कोड–परिवर्तन
- पिजिन और क्रियोल
- भाषाद्वैत

इकाई–3 : भाषा–नियोजन तथा भाषा–विकल्पन (12 घंटे)

- भाषा–नियोजन की अवधारणा
- मनकीकरण और आधुनिकीकरण
- भाषा–विकल्पन : प्रयोक्तासापेक्ष विकल्पन
- प्रयोगसापेक्ष विकल्पन – प्रयुक्तिसापेक्ष, भूमिकासापेक्ष

इकाई–4 : भाषा और सामाजिक संदर्भ (9 घंटे)

- संबोधन–शब्दावली
- रिश्ते–नाते की शब्दावली
- रंग–शब्दावली

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास, भोलानाथ तिवारी
2. भाषाशास्त्र की रूपरेखा, उदय नारायण तिवारी
3. भाषा (हिंदी अनुवाद), लैनर्ड ब्लूम फील्ड
4. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेंद्रनाथ शर्मा
5. भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी
6. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग, रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
7. हिंदी भाषा का इतिहास, धीरेंद्र वर्मा
8. भाषाई अस्मिता और हिंदी, रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. भाषा और समाज, रामविलास शर्मा

हिन्दी - विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020

एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सेमेस्टर–II - Pool of DSE

अस्मितामूलक चिंतन और हिंदी साहित्य

Course Title & Code	Credits	Credit distriubion of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and Reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Poof of DSE अस्मितामूलक चिंतन और हिंदी साहित्य	4	3	1	---	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को स्त्री, दलित एवं आदिवासी अस्मिताओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।
2. स्त्री–अस्मिता और सामाजिक संस्थाओं से परिचित कराना।
3. दलित और आदिवासी अस्मिता एवं साहित्य की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थी स्त्री, दलित एवं आदिवासी अस्मितओं का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।
2. स्त्री–अस्मिता और सामाजिक संस्थाओं से अवगत होंगे।
3. दलित और आदिवासी अस्मिता एवं साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1 : **स्त्री अस्मिता** (12 घंटे)

- जेंडर की अवधारणा, स्त्रीवादी चिंतकों की अवधारणाएं
- भारतीय स्त्री चिंतन और साहित्य
- स्त्री पुरुष तुलना – ताराबाई शिंदे
- शृंखला की कड़ियाँ – महादेवी वर्मा

इकाई–2 : **दलित अस्मिता** (12 घंटे)

- अंबेडकर और उत्तर–अंबेडकर विचार
- दलित आंदोलन और दलित साहित्य
- दलित साहित्य और भाषा
- जूठन – ओमप्रकाश वाल्मीकि

हिन्दी - विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई–3 : आदिवासी अस्मिता (12 घंटे)

- उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया और आदिवासियों का शोषण, विस्थापन और विलोपन (वैश्विक संदर्भ) भारत में आदिवासी प्रश्न और आदिवासियों के आंदोलन;
- आदिवासी अस्मिता; आदिवासी साहित्य की अवधारणा, आदिवासी जन के अधिकारों का संयुक्त राष्ट्रसंघ घोषणा–पत्र; भारत का वन अधिकार कानून

इकाई–4 : आदिवासी साहित्य (9 घंटे)

- हिंदी की आदिवासी कविता : सुशीला सामद, निर्मला पुतुल, ग्रेस कुजूर
- हिंदी का आदिवासी गद्य : राम दयाल मुंडा, रोज केरकेट्टा, एलिस एक्का, वंदना टेटे

सहायक ग्रंथ :

1. Feminist Thought : A Comprehensive Introductions : Tony Rosemary
2. स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बउवा
3. स्त्री अस्मिता, साहित्य और विचारधारा – सुधा सिंह
4. दलित साहित्य और विचारधारा, जगदीश्वर चतुर्वेदी
5. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, कंवल भारती
6. भारतीय आदिवासी : लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा
7. आदिवासी कथा : महाश्वेता देवी
8. आदिवासी साहित्य यात्रा : रमणिका गुप्ता
9. भारतीय आदिवासी उनकी संस्कृति और सामाजिक पृष्ठभूमि : ललित प्रसाद विद्यार्थी

हिन्दी - विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020

एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सेमेस्टर–II - Pool of DSE

लोक साहित्य

Course Title & Code	Credits	Credit distriubion of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and Reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Poof of DSE लोक साहित्य	4	3	1	---	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों को लोक साहित्य के भाषिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पक्षों से परिचित कराना।
2. लोक साहित्य में अभिव्यक्त लोक जीवन और सामाजिक मूल्यों को रेखांकित कराना।
3. पाठ आधारित अध्ययन के माध्यम से लोक साहित्य की सृजनात्मकता से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थी लोक साहित्य के भाषिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पक्षों से परिचित हो सकेंगे।
2. लोक साहित्य में अभिव्यक्त लोक जीवन और सामाजिक मूल्यों से अवगत होंगे।
3. पाठ आधारित अध्ययन के माध्यम से लोक साहित्य की सृजनात्मकता की समझ विकसित होगी।

इकाई–1 : लोक साहित्य : अवधारणा (12 घंटे)

- लोक एवं लोक साहित्य : अवधारणा, महत्त्व
- विविध रूप : लोकगीत, लोकनाट्य, लोक कथाएँ, लोकगाथाएँ
- लोक साहित्य और समाज – वर्चस्व, अधिकारहीनता, स्वदेश प्रेम, राष्ट्रीयता
- लोक साहित्य का वैशिष्ट्य

इकाई–2 : लोक साहित्य : लोक गीत (9 घंटे)

- लोक जीवन एवं लोक गीत : विविध हिंदी प्रदेशों के लोकगीत, संक्षिप्त परिचय
- संस्कार गीत : सोहर, विवाह, मंगल गीत
- ऋतु संबंधी गीत : कजरी, चैती, होली
- श्रमगीत : कटनी, जतसार, रोपनी

इकाई–3 : लोकनाट्य एवं लोककथा (12 घंटे)

- लोकनाट्य : स्वरूप एवं परंपरा

- विविध लोकनाट्य : रासलीला, रामलीला, नौटंकी
- प्रमुख लोक गाथाएँ – आल्हा, लोरिकायन
- लोक कथा परंपरा : पंचतंत्र, हितोपदेश, जातक कथाएँ

इकाई–4 : लोक साहित्य : पाठ अध्ययन (12 घंटे)

- **संस्कार गीत** : (सोहर – हिंदी प्रदेश के लोकगीत, कृष्ण देव उपाध्याय, पृष्ठ 110–111, साहित्य भवन, इलाहाबाद)
- **विवाह गीत** : (भोजपुरी) भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य, विद्या सिन्हा, पृष्ठ 116
- **श्रम संबंधी गीत** : जतसार (भोजपुरी) भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य, विद्या सिन्हा, पृष्ठ 140–141
- **कटनी के गीत** : (अवधी) दो गीत, हिंदी प्रदेश के लोकगीत, कृष्णदेव उपाध्याय, पृष्ठ 134–135
- प्रथम राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम (1857) और लोकगीत – लोकगीतों और गीतों में 1857, मैनेजर पांडेय, एनबीटी प्रकाशन (आरंभिक 15 गीत)
- **लोकनाट्य** : बेटीबेचवा – भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य
- **लोककथा** : राजस्थानी लोक कथा नंबर–2, राहुल सांस्कृत्यायन, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (सोलहवां भाग) पृष्ठ 10–11

सहायक ग्रंथ :

1. सांकृत्यायन, राहुल; हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (सोलहवाँ भाग) नागरीप्रचारिणी सभा, काशी
2. त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण; भारतीय लोकनाट्य, वाणी प्रकाशन
3. वात्स्यायन, कपिला; पारंपरिक भारतीय रंगमंच, नेशनल बुक ट्रस्ट
4. उपाध्याय, कृष्णदेव; हिंदी प्रदेश के लोक गीत, साहित्य भवन, इलाहाबाद
5. उपाध्याय, कृष्णदेव; लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन, इलाहाबाद
6. सिन्हा, विद्या; भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य, पब्लिकेशन डिवीजन
7. बद्रीनारायण; लोक संस्कृति और इतिहास, लोकभारती प्रकाशन
8. बद्रीनारायण; लोक संस्कृति में राष्ट्रवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन
9. डॉ. सत्येंद्र; लोक साहित्य विज्ञान, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
10. प्रसाद, दिनेश्वर; लोक साहित्य और संस्कृति, लोकभारती प्रकाशन

हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020

एम.ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सेमेस्टर–II - Pool of DSE

साहित्य का इतिहास–दर्शन और सिद्धांत

Course Title & Code	Credits	Credit distriubion of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and Reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Poof of DSE साहित्य का इतिहास–दर्शन और सिद्धांत	4	3	1	---	स्नातक उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

1. विद्यार्थियों में भारतीय ज्ञान परंपरा की समग्र समझ विकसित करना।
2. भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य के सहसंबंध को व्याख्यायित करना।
3. ज्ञान की भारतीय समझ, राष्ट्रीयता और मूल्यबोध से परिचय कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा की समग्र समझ विकसित कर सकेंगे।
2. भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य के सहसंबंध से अवगत होंगे।
3. ज्ञान की भारतीय समझ, राष्ट्रीयता और मूल्यबोध से परिचत होंगे।

इकाई–1 : इतिहास–दर्शन की अवधारणा और साहित्येतिहास (9 घंटे)

- साहित्येतिहास का अर्थ और स्वरूप
- साहित्यलोचन और इतिहास–बोध
- साहित्येतिहास की परम्परा और विकास
- साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ और चुनौतियाँ

इकाई–2 : साहित्येतिहास दर्शन और उसकी प्रमुख दृष्टियां (12 घंटे)

- उपनिवेशवादी, राष्ट्रवादी
- शास्त्रीय दृष्टि/अभिजात्यवादी दृष्टि
- समाजशास्त्रीय दृष्टि, मार्क्सवादी दृष्टि
- सबाल्टर्न अध्ययन की दृष्टि

इकाई–3 : साहित्य का प्रतिमानीकरण और भारतीय साहित्य सिद्धांत (परिचयात्मक) (12 घंटे)

- रस सिद्धांत
- अलंकार सिद्धांत
- ध्वनि सिद्धांत
- वक्रोक्ति, औचित्य

इकाई–4 : साहित्य सिद्धांत के प्रमुख वाद (परिचयात्मक) (12 घंटे)

- रूपवाद और नयी समीक्षा
- मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद
- संरचनावाद – उत्तर संरचनावाद
- आधुनिकतावाद – उत्तर आधुनिकता

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. शर्मा, नलिन विलोचन; साहित्य का इतिहास दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
3. शर्मा, रामविलास; इतिहास दर्शन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, नामवर; इतिहास और आलोचना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. पाण्डेय, मैनेजर; साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. चतुर्वेदी, जगदीश्वर; साहित्य का इतिहास दर्शन, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली।
7. कश्यप, श्याम; संपादन एवं संकलन, हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली।
8. शर्मा, रामविलास; रूपतरंग और प्रगतिशील कविता की वैचारिक पृष्ठभूमि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

हिन्दी - विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एम.ए. पत्रकारिता (हिंदी)

दिल्ली विश्वविद्यालय

Annexure-14

	DSC **(3 DSC)** 4 Credits Each		**Pool of DSE** **(2 DSE or** **1 DSE + 1GE)** 4 Credits Each	**Pool of SBC** **(1 SBC)** 2 Credits	**Pool of GE** **(1 GE)** 4 Credits [Offered by the Department of Hindi related to MA Patrakarita (Hindi) Course for all the PG courses other than MA Patrakarita (Hindi).]
सेमेस्टर - 1	DSC-1	भारत में पत्रकारिता का इतिहास	भारत में मुद्रण तकनीक का विकास	रेडियो प्रोग्रामिंग	भारत का सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य और मीडिया
	DSC-2	जनसंचार सिद्धांत और व्यवहार	फोटो पत्रकारिता	पत्रकारिता में अनुवाद	पत्रकारिता और भारतीयता
	DSC-3	समाचार की अवधारणा और रिपोर्टिंग	हिंदी पत्रकारिता की भाषा और शैली	पटकथा लेखन	फ़िल्म एवं कला पत्रकारिता
			पर्यावरण (पंचमहाभूत) पत्रकारिता		

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
एम. ए. पत्रकारिता (हिंदी)
सेमेस्टर-1 – DSC-1
भारत में पत्रकारिता का इतिहास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-1 **भारत में पत्रकारिता का इतिहास**	4	3	0	1	स्नातक उत्तीर्ण	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- पत्रकारिता के ऐतिहासिक विकास और स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका को समझना।
- स्वतंत्रता संग्राम और स्वातंत्र्योत्तर भारत में पत्रकारिता की भूमिका को समझना।
- जनसंचार के पारंपरिक और नवीन माध्यमों की कार्यप्रणाली से परिचित होना।
- मीडिया में नैतिकता, नियमन और सामाजिक उत्तरदायित्व को समझना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी पत्रकारिता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझ सकेंगे।
- स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख पत्रकारों की भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे।
- स्वातंत्र्योत्तर भारत में मीडिया के योगदान को पहचान सकेंगे।
- इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के स्वरूप व प्रभाव को समझ सकेंगे।

इकाई 1 : भारतीय पत्रकारिता **(9 घंटे)**

- पत्रकारिता की परिभाषा, स्वरूप और प्रकार
- पत्रकारिता का विकास : वैश्विक एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य
- भारत में पत्रकारिता की परंपरा – हिंदी और भाषाई

इकाई 2 : स्वतंत्रता पूर्व की पत्रकारिता **(12 घंटे)**

- श्री अरविंद
- बाल गंगाधर तिलक
- महात्मा गांधी
- डॉ. भीमराव अंबेडकर

इकाई 3 : स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता **(12 घंटे)**

- भारत के नवनिर्माण की पत्रकारिता
- प्रतिरोध की पत्रकारिता